सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 318 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 30 दिसम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हैप्पीनेस कोई रेडीमेड चीज नहीं है। ये आपके अपने कर्मों से आती है।
–ब्रह्माकुमारी शिवानी

टेस्ट टीम में हुई आवेश की... 7 | यूपी में कांग्रेस को और देना होगा... 3 | यूपी में हार से ही भाजपा सत्ता से... 2

अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन से पहले सियासत भी गरमाई

विपक्ष ने भाजपा पर लगाया राजनीति करने का आरोप

- कांग्रेस, यूबीटी शिवसेना बोली- चुनावी हथकंडा बना रही बीजेपी
- लोगों ने पूछा- क्या देश से खत्म हो गई सारी समस्याएं
- बीजेपी का विपक्ष पर वार- विरोध करने से मंदिर की भव्यता नहीं होगी कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह से पहले अयोध्या में विकास की कई योजनाओं के उद्घाटन के साथ राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां बीजेपी ने इसे एक बहुत बड़ा आयोजन बताया है वहीं विपक्ष ने कहा है भाजपा इस कार्यक्रम का पूरी तरह राजनीतिकरण कर रही है। आप, शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस व अन्य सभी दलों ने बीजेपी पर राम मंदिर को आगामी लोक सभा चुनाव में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। गौरतलब हो कि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से लगभग सभी राजनैतिक दलों को निमंत्रण दिया गया है। कुछ दलों व नेताओं ने वहां शामिल होने की बात की है तो कुछ अब भी असमंजस में हैं। जो जा रहे हैं उनका तो सभी स्वागत कर रहें पर जो नहीं जा पा रहें उनको भाजपा ने रामद्रोही तक कह दिया है।

एक बात और चर्चा में है कई नेताओं ने कहा कि राम सबके हैं इसलिए उनका मंदिर बनना सबके लिए हर्ष की बात है। पर अफसोस इस बात है कि इसको बीजेपी द्वारा चुनावी हथकंडा बनाया जा रहा है जो भारतीय लोकतंत्र व संविधान के खिलाफ है। कई लोग ये भी कह रहें है कि जिस देश में दो वक्त की रोटी की समस्या का समाधान करने में मुश्किल हो रही वहां एक धार्मिक स्थल के नाम पर करोड़ों खर्चना कितना जायज है यह बहस का विषय हो सकता है। साथ ही सत्ताधीशों को यह भी जवाब देना होगा जो वादे उन्होंने सरकार में आने के समय किए थे वो पूरे हो गए क्या? अगर देश में सबकुछ सही है तो ये आयोजन सहर्ष स्वीकार है अन्यथा आमजन की पीड़ा अगर अब भी बरकारार हे तो ईश्वर भी कभी नीति नियंताओं को माफ नहीं करेगा।

बस अब राम को चुनावी उम्मीदवार बनाना ही शेष : संजय राउत

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि भगवान राम के नाम पर जमकर राजनीति की जा रही है। अब सिर्फ इतना ही बचा है कि भाजपा जल्द एलान करेगी कि अयोध्या या किसी अन्य जगह से भगवान राम उनके उम्मीदवार होंगे। राउत शनिवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को शून्य कहने वाली बात पर भी सफाई दी। शिवसेना सांसद ने कहा कि उन्होंने कभी कांग्रेस को जीरो नहीं कहा था। उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा, मैंने यह कहा था कि कांग्रेस को जीरो से शुरुआत करनी होगी, यह कभी नहीं कहा कि कांग्रेस शून्य है। महाराष्ट्र में फिलहाल कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। हमारे पास 18 सांसद थे, लेकिन कुछ चले गए और अब हमारे पास छह सांसद हैं। हमारा गठबंधन कांग्रेस के साथ है और महा विकास अघाड़ी करीब 40 सीटें जीतेगी।

राम पूरे विश्व के हैं : फारूक अब्दुल्ला

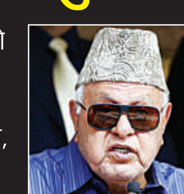

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। मैं उन सभी को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने मंदिर के लिए प्रयास किया। यह अब तैयार है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि भगवान राम केवल हिंदुओं के नहीं हैं, वे दुनिया के हर व्यक्ति के हैं। यह किताबों में लिखा है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भाईचारे, प्रेम और एकता की बात की और उन लोगों को ऊपर उठाने पर जोर दिया जो गिरे हुए थे और उन्होंने कभी उनके धर्म के बारे में नहीं पूछा। एनसी प्रमुख ने अगले महीने होने वाले प्रतिष्ठा समारोह के लिए भक्तों को बधाई दी और कहा कि वह मंदिर के लिए प्रयास करने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहते हैं। उन्होंने एक सार्वभौमिक संदेश दिया...अब जब यह मंदिर खुलने वाला है, तो मैं सभी से कहना चाहता हूं कि भाईचारा बनाए रखें।

किसी के आने न आने से फर्क नहीं : हिमंता

राम मंदिर के अभिषेक समारोह के निमंत्रण को विपक्ष द्वारा खारिज किए जाने पर हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि चाहे विपक्ष समारोह में आए या न आए मंदिर की भव्यता कम नहीं होगी। लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह है, विपक्ष के होने या न होने से फर्क नहीं पड़ता। हम निमंत्रण पाने के लिए बेताब है। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। अगर आपको निमंत्रण मिला है तो आपको जाना चाहिए।

मंदिर का आकार

235	360	161
फीट चौड़ाई	फीट लंबाई	फीट ऊंचाई

मंदिर के मुख्य वास्तुकार : चंद्रकांत सोमपुरा व उनके दो बेटे निखिल सोमपुरा और आशीष सोमपुरा

बांटो और राज करो कांग्रेस के डीएनए में : अनुराग

कांग्रेस जब भी हारती है तब बांटो और राज करो की रणनीति अपनाने की कोशिश करती है। कांग्रेस कभी जातीय जनगणना की बात करती है, कभी क्षेत्रवाद की बात करती है। मगर कभी भी विकास के मुद्दे पर नहीं बोलती। देश को आगे बढ़ाने वाली चर्चा से कांग्रेस सदैव दूर भागती है। अनुराग ठाकुर ने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया व प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत निर्माण के संकल्प को दोहराया। यह पहली बार है जब किसी प्रधानमंत्री ने देश के अंतिम जन के घर के द्वार तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ले जाने का कार्य किया है।

पूरी दुनिया को 22 जनवरी का इंतजार : मोदी

अयोध्या। अयोध्या में कई योजनाओं के उद्घाटन के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को 22 जनवरी का इंतजार है। पीएम ने कहा रामंदिर के उद्घाटन का सबके हृदय में बेसब्री है। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए विरासत को संभालना जरूरी है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या जंक्शन से उद्घाटन करने के बाद सड़क मार्ग के जरिए ही अयोध्या के राजघाट मोहल्ले में स्थित एक दलित के घर पहुंच गए। उन्होंने चाय पी और परिवार वालों से बातचीत की। पूछा कि किन-किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मीरा के बच्चों से भी बातचीत की उन्हें दुलारा। मीरा के पति सूरज माझी पीएम के घर आने से बहुत ही भाव विभोर थे। बोले कि यकीन नहीं हो रहा है कि पीएम हमारे घर आए थे ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूं। सूरज मजदूरी कर परिवार चलते हैं। उनके पिता धनीराम माझी गोताखोर हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि मोदी ने उन्हें प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है।

यूपी में हार से ही भाजपा सत्ता से होगी बेदखल : अखिलेश

» बोले- बीजेपी सरकार का जीरो टॉलरेंस जीरो हो चुका है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हारेगी तो ही केंद्र की सत्ता से बाहर होगी। सपा प्रमुख यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी भूमिका होगी। प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया करेगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा हारेगी तो देश से हटेगी।

समाजवादियों ने नारा दिया है '80 हराओ, भाजपा हटाओ। समाजवादी पार्टी इसी नारे को लक्ष्य मान कर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा सरकार लोकतंत्र विरोधी है। भाजपा सरकार सामाजिक न्याय की विरोधी है। जातीय जनगणना की विरोधी है। उन्होंने जोर देकर कहा,कि बिना जातीय जनगणना सामाजिक न्याय नहीं मिल सकता। यादव ने कानून–व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस 'जीरो हो चुका है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सबसे ज्यादा अन्याय बेटियों, माताओं, बहनों के साथ उत्तर प्रदेश में हो रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार जबसे केन्द्र में भाजपा सरकार आयी है देश में एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। भाजपा के पास इसका कोई जवाब नहीं है। इस सवाल पर कि क्या उन्हें अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण मिला है, यादव ने कहा, भगवान के यहां से किसी को निमंत्रण नहीं आता है, भगवान जिसे चाहते हैं उसे स्वयं बुला लेते हैं। उन्होंने कहा, भगवान अपने आप बुलाते हैं। भगवान बुलाएंगे तो हम जाएंगे।

पीडीए करेगा भाजपा का सर्वनाश

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की उपेक्षा का आरोप लगाते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाज का बहुसंख्यक वर्ग लोकसभा चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगा। एक वैवाहिक समारोह में भाग लेने यादव ने शुक्रवार को कहा कि जिस तरीके से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पिछड़े-दलित और अल्पसंख्यकों की उपेक्षा हो रही है, आने वाले लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी का यहां से सफाया हो जाएगा। आजमगढ़ की लोकसभा ऐतिहासिक परिणाम देगी। उत्तर प्रदेश से भाजपा के हटने का मतलब कि पूरे देश से बीजेपी का सफाया हो जाएगा। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में निमंत्रण के सवाल पर कहा कि भगवान के यहां से किसी को निमंत्रण नहीं आता है भगवान अपने आप बुलाते हैं। भगवान बुलाएंगे तो हम जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आने वाले चुनाव में सबसे बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। पीडीए ही एनडीए का मुकाबला करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दुगनी करने, नौजवानों को नौकरी और रोजगार देने की बात कही थी, आज कम से कम इनको बताना चाहिए की कितने लोगों को नौकरी दी है।

ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे नीतीश ने ठगा नहीं : मांझी

» सुशील मोदी बोले- अभी काफी गुल खिलना बाकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान ललन सिंह के इस्तीफे के बाद बिहार में सियासी घमासान मच गया है। बिहार में विपक्ष की भूमिका में बैठे एनडीए के नेता लगातार सीएम नीतीश कुमार और ललन सिंह पर हमला बोल रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पहले जदयू को एक लिमिटेड कंपनी बता दिया। इसके बाद एनडीए के अन्य नेता भी सीएम नीतीश कुमार पर लगातार निशाना साध रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भी सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की तीन वर्षीय योजना के तहत ललन सिंह का भी पत्ता साफ कर दिया गया है। जीतन राम मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे नीतीश ने ठगा नहीं। वहीं भाजपा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि मैंने एक सप्ताह पूर्व ही भविष्यवाणी की थी कि ललन सिंह हटाये जा रहे हैं। लालू से नज़दीकियों के कारण ललन सिंह को हटना पड़ा है। यह खेल का अंत नहीं बल्कि शुरुआत है। अभी काफ़ी गुल खिलना बाक़ी है? खेल की अगली कड़ी का इंतज़ार कीजिए? भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्षों को बेइज्जत करके निकालने की उच्च परंपरा के तहत आज ललन सिंह जी भी चले गए। संजय जायसवाल ने कहा कि गड़बड़ एक ही हो गई कि यह बात मीडिया में 10 दिन पहले आ गई थी और इसके कारण निकालने के बदले उन्होंने सम्मानपूर्वक इस्तीफा दिया।

ईमानदार छवि और जनाधार वाले ही बनेंगे प्रत्याशी : सुक्खू

» शिमला पहुंचे सीएम, बोले- डीजीपी मामले में कोर्ट के आदेश पढ़ने के बाद फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि डीजीपी मामले में कोर्ट के आदेश को पढ़ने के बाद फैसला लिया जाएगा। नई दिल्ली से राजधानी शिमला लौटने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब इस मामले में हाईकोर्ट का आदेश था तब मैं प्रदेश से बाहर था। कोर्ट के आदेश को पढ़ नहीं पाया हूं। अब आदेशों को पढूंगा और विस्तृत चर्चा करने के बाद आगामी फैसला जल्द लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में ईमानदार छवि और जनाधार वाले नेताओं को कांग्रेस पार्टी अपना प्रत्याशी बनाएगी। बीते दिनों नई दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान के साथ विस्तार से कई मामलों पर चर्चा हुई है। लोकसभा चुनाव में क्या मुद्दे होंगे, इन पर मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले नेता को ही पार्टी का प्रत्याशी बनाया जाए, ऐसा आदेश हाईकमान ने दिया है।

भाजपाई जनता के मुद्दों पर साध लेते हैं चुप्पी

» बरेली में बोले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय- कोरी बातों के सिवाय कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा लेकर बरेली पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा डबल इंजन की सरकार के पास सिर्फ कोरी बातों के सिवाय कुछ नहीं है। भाजपा सरकार और उसके नेता जनता के मुद्दों पर चुप्पी साध जाते हैं। इसलिए यूपी से ही बदलाव की आहट होने लगी है।

उन्होंने कहा कि जब जब यूपी जागता है तो दिल्ली का तख्त बदल जाता है। यूपी जोड़ो यात्रा में लोगों का उत्साह बदलाव के संकेत दे रहा है। यूपी जोड़ो यात्रा का जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ. केबी त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव ओमवीर यादव ने कहा कि जन–जन को जोड़ती हुई यह यात्रा अपने पड़ाव की ओर बढ़ रही है। नगर पालिका मीरगंज के पूर्व चेयरमैन इलियास अंसारी ने भी संबोधित किया। पदाधिकारियों ने कहा कि यूपी जोड़ो यात्रा राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। यूपी जोड़ो यात्रा की ग्राम गोगी में नुक्कड़ सभा हुई। उसके बाद यात्रा ग्राम चुरई में स्वागत किया गया। दियोरिया चौराहा के बाद तहसील के द्वार पर भी कांग्रेसजनों ने भी स्वागत किया। कस्बा मीरगंज पहुंचने पर धर्मशाला के पास सभा हुई। यात्रा के दौरान कई जगह लोगों ने पुष्प वर्षाकर कांग्रेसियों का स्वागत किया।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने का सही समय पर लेंगे निर्णय : कांग्रेस

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को भी आमंत्रित किया गया है। अभी तक इसे लेकर स्पष्टता नहीं है कि कांग्रेस के तीनों नेता या कोई भी नेता इसमें शामिल होंगे या नहीं। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा में बताया कि पार्टी नेताओं के इस कार्यक्रम में शामिल होने का फैसला सही समय पर लिया जाएगा और उसकी जानकारी भी दी जाएगी।

विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन पर राघव ने खोली बीजेपी की पोल

» गिनाए वोट के एक-एक आंकड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पांच राज्यों में हुए चुनाव को लेकर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने 5 राज्यों में हुए चुनाव में बीजेपी की जीत के आंकड़े को लेकर भी हर एक सवाल का जवाब दिया। बता दें कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम के चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को लेकर एक सवाल पर राघव चड्ढा ने कहा कि बीजेपी जब से अस्तित्व में आई तब उसे पहला राज्य जीतने में 10 साल लगे, आज आप की दो राज्यों (दिल्ली, पंजाब) में सरकार है।

राघव ने कहा कि चार राज्यों में कुल 11 करोड़ लोगों ने वोट दिए जिसमें से बीजेपी को 4 करोड़ 80 लाख वोट मिले बाकी सारा वोट विपक्ष का है। उन्होंने कहा कि 5 राज्यों से 65 सीटें बीजेपी के पास हैं। 2023 चुनाव के आंकड़े देखें जाए तो बीजेपी को 15 सीटों का नुकसान हुआ, बीजेपी 50 पर आ जाएगी। उन्होंने ये माना है किराज्यों के चुनाव लोकल मुद्दों पर होते हैं। राघव ने बताया कि 2003 में तीनों राज्य बीजेपी जीती लेकिन 2004 में कांग्रेस की सरकार बन गई। इसबार देखें तो बीजेपी जीत गई है तो विपक्ष की सरकार बन जाएगी। राघव चड्ढा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है।

यूपी में कांग्रेस को और देना होगा ध्यान

- » युवा व नए साथियों को जोड़ना जरूरी
- » सहयोगी दलों को विश्वास में लेना होगा
- » यूपी में अन्य राज्यों की तरह कांग्रेसियों में बढ़ानी होगी जीत की भूख

संगठन को बूथ स्तर तक करना होगा मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 चुनाव सर पर आने वाले हैं। पूरे देश में आम से लेकर खास तक पर चुनावों की बतकही जुबां पर आने लगी है। अपने-अपने सियासी दलों के हिसाब से नफे व नुकसान की चर्चा होने लगी है। जंहा सत्ता में बैठी भाजपा आपनी तैयारी अभी से शुरू कर चुकी है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दल अभी भी कई मुद्दों पर एकदूसरे से सामंज्स्य नहीं बिठा पा रहे हैं। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने हालांकि कुछ नया करने में जुटी है। इसी के तहत वह भारत जोड़ो यात्रा से आगे न्याय यात्रा निकालने जा रही है। इन सबसे अलग गठबंधन के अन्य दल जो राज्यों में मजबूत स्थिति में हैं वह भी अपने-अपने स्तर पर सक्रिय हो गए हैं। परंतु अगर तैयारियों के हिसाब से देखा जाए तो विपक्ष कही न कहीं भाजपा से पिछड़ रहा है।

हालांकि एक तरफ यह भी चर्चा चल रही है कई कांग्रेस को अकेले भाजपा के खिलाफ मोर्चा संभाला चाहिए और चुनावों के परिणाम के बाद आगे की रणनीति बनानी चाहिए। यदि कांग्रेस को प्रदेश में मजबूत बनाना है तो हमें राष्ट्रीय नीति के साथ-साथ क्षेत्रीय नीति और स्थानीय नेता विकसित करके उनमें तारतम्य बिठाने की समुचित पहल करनी होगी। वहीं, विभिन्न

कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। देश के सबसे बड़े राज्य में यूपी जोड़ो यात्रा को जो अपार जनसमर्थन मिल रहा है, उससे ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि यूपी में कांग्रेस पिछले 34 सालों से सत्ता से बाहर है। गठबंधन की राजनीति से उसकी कमर टूट चुकी है, जिसके चलते वह केंद्र में भी मजबूती से नहीं जम पा रही है। बदलते दौर में यूपी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कहना न होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सूबाई गठबंधन नीति से यूपी समेत हिंदी पट्टी के जमे-जमाये नेताओं ने पार्टी के कार्यक्रमों से जो किनारा करना शुरू किया, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए तो पुराना सिलसिला अब जाकर थमने के आसार प्रबल हुए हैं।

गत दिनों लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हमारे नेता राहुल गांधी यूपी कांग्रेस के नेताओं से नाखुश दिखे। जैसी की मीडिया रिपोर्ट आई है। बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों।

यूपी कांग्रेस में राय ने फिर फूंकी जान

ऐसे में सीधा सवाल है कि जब प्रदेश में पार्टी अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है और अपने नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक नई टीम बनाकर आगे बढ़ रही है। तो फिर हमें पिछले 34 साल की उपलब्धियों-अनुपलब्धियों पर भी एक सरसरी नजर डाल लेनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूपी में अपने सबसे खराब दौर में भी पार्टी ने कई प्रयोग किए। अकेले चुनाव भी लड़ी और गठबंधन का साथ भी लिया। लेकिन कोई बड़ा कारनामा नहीं कर सकी, आखिर ऐसा क्यों? यह यक्ष प्रश्न है। अभी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को और एड़ी-चोटी एक करनी होगी। वहीं, विभिन्न कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। खास बात यह कि हमें राजनीतिक प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में नए-पुराने के तफरके में संतुलन बिठाना होगा। साथ ही नेतृत्वगत अधिकारों का विकेंद्रीकरण करना होगा और चरणबद्ध रूप से जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि पार्टी संगठन में जान फूंकी जा सके। बहरहाल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष अजय राय के हाथ में कमान सौंपने के बाद यूपी जोड़ो यात्रा का आगाज कर चुकी है। वह अपनी नई टीम के साथ इस बात के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं कि अब कांग्रेस जुल्म और ज्यादती के खिलाफ सड़कों पर दिखेगी। साल 2024 में यह चुनौती उन्हें अपने अक्रामक तेवरों के साथ पूरी करनी होगी। क्योंकि वह अपने आक्रामक अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। हालांकि यह सवाल अलग है कि क्या प्रदेश की नई लीडरशिप कांग्रेस के लिए कोई करिश्मा कर पाएगी? खासतौर से ऐसे समय जब देश-प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है।

प्रदेश में अन्य दलों से हो दो टूक बात

पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे। यह ठीक है कि मुसलमान इस चुनाव में कांग्रेस की ओर देख रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा और उन सीटों को अपने गठबंधन में सपा से लाना होगा। जबकि कुछ लोगों ने सोचा कि वे बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जबकि बसपा के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान कई अलग-अलग मुद्दे सामने आए, लेकिन सभी की राय थी कि पार्टी को कड़ी सौदेबाजी करनी चाहिए और न केवल सम्मानजनक हिस्सेदारी बल्कि मजबूत सीटें भी हासिल करनी चाहिए।

निकालेंगे नया फार्मूला : एनसीपी व शिवसेना की टूट पर कांग्रेस की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस राज्य एनसीपी और शिवसेना की टूट का फायदा लेकर महाराष्ट्र में खुद सीनियर की भूमिका में रखना चाहती है। कांग्रेस की कोशिश है कि महा विकास आघाड़ी में प्रकाश आंबेडकर को भी लिया जाए, ताकि दलित वोटों का बंटवारा रुके और पार्टी राज्य में ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करे। ऐसे में देखना होगा कि पिछले चुनावों के मुकाबले कौन कितनी सीटों पर लड़ने को राजी होता है। कांग्रेस की नागपुर रैली में प्रकाश अंबेडकर पर डोरे डालने की झलक भी दिखी। सभी नेताओं ने बाबा साहब अंबेडकर को नमन किया और उनके योगदान को रेखांकित किया। यह हाल ही में दूसरा मौका है जब बाबा साहब अंबेडकर का जिक्र किसी बड़ी सभा में हुई।

संविधान दिवस पर प्रकाश अंबेडकर ने मुंबई के शिवाजी पार्क में रैली थी। इसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पहुंचे थे और रैली में राहुल गांधी का पत्र आया था। लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपना बिगुल फूंक दिया है, इसके लिए पार्टी ने संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की दीक्षा भूमि नागपुर को चुना, तो वहीं रैली वाले दिन ही महा विकास आघाड़ी में तकरार भी सामने आई। कांग्रेस ने शिवसेना (उद्धव गुट) की उस मांग को काफी ज्यादा करार दिया। जिसमें 23 सीटों पर दावा किया गया था। कांग्रेस पार्टी ने 1920 के अधिवेशन का हवाला देते हुए महाराष्ट्र के नागपुर से 2024 के लोकसभा चुनावों के अपना बिगुल फूंक दिया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने संबोधन में कुल मिला तीन से चार बार इंडिया अलायंस का उल्लेख किया। महाराष्ट्र की उप राजधानी नागपुर में जहां कांग्रेस हैं तैयार हम की थीम पर रैली कर रही थी तो वहीं दूसरी तरफ राज्य में लोकसभा की सीटों को तकरार चल रही थी। ऐसे में सवाल यह कि कांग्रेस वाकई में 2024 के चुनावों के कितनी तैयार है? जो भी फिलहाल कांग्रेस ने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना की उस मांग को खारिज कर दिया है जिसमें पार्टी ने 23 सीटों पर लड़ने की मांग की थी। कांग्रेस का कहना है कि ये तो बहुत ज्यादा है? शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के अलावा शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) दोनों टूटने के कमजोर हो गई हैं। ऐसे में महाराष्ट्र में कांग्रेस सबसे मजबूत पार्टी और उसका वोटबैंक निश्चित है।

2019 में अलग था सीन

2019 के लोकसभा में चुनाव उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने तब 23 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसमें पार्टी को 18 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। पार्टी को राज्य में 12,589,064 मतों के साथ 23.5 फीसदी वोट मिले थे। पार्टी एमवीए में इतनी ही सीटें चाहती है। शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पिछले चुनावों में 19 सीटों पर लड़ी थी। इसमें पार्टी को 4 सीट पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसमें उसे 1 सीट पर जीत मिली थी। दोनों पार्टियों का वोट प्रतिशत क्रमशः 15.66 और 16.41 प्रतिशत रहा था, तो वहीं प्रकाश अंबेडकर की अगुवाई वंचित बहुजन आघाडी ने एक सीट के लिए छोड़कर 47 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पार्टी को लोकसभा चुनावों में 6.92 वोट मिले थे।

सत्ता और शाह के साथ जाने के बजाय पिता के साथ संघर्ष का रास्ता चुना : सुले

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष एवं बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके सामने सत्ता और संघर्ष के दो विकल्प थे और उन्होंने संघर्ष का चयन किया। सुले ने इंदापुर में एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि 'मेरे पास दो विकल्प थे- सत्ता और संघर्ष। संघर्ष के पक्ष में मेरे पिता थे और सत्ता के पक्ष में (केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता) अमित शाह थे। मुझे सत्ता और संघर्ष के बीच चयन करना था। मैंने संघर्ष का चयन किया। उन्होंने इस साल दो जुलाई को राकांपा में विभाजन का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि उस व्यक्ति को मत भूलिए जिसने आपको जन्म दिया है। किसी न किसी को तो सच कहना ही होगा। अगर हम सब डर गए तो देश में कोई लोकतंत्र नहीं रहेगा। आज हमारे साथ तोड़फोड़ की गई। कल आपका भी यही हश्र होगा। अजित पवार और आठ विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए, जबकि सुले और कई अन्य ने पार्टी संस्थापक शरद पवार के साथ रहना स्वीकार किया। सुले ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार को सूचित कर दिया है कि वह अगले 10 महीने तक बारामती में रहेंगी और मुंबई नहीं आएंगी। उन्होंने कहा कि मैंने अपने पति और बच्चों से कहा कि मैं अक्टूबर तक बारामती में रहूंगी। मैंने उनसे कहा कि मैं मुंबई नहीं आऊंगी और उनसे अपना ध्यान रखने के लिए कहा है।

चव्हाण ने भी मिलाया निरुपम के सुर में सुर

कांग्रेस नेता संजय निरुपम के इस बयान के बाद अब सवाल यह है कि क्या शिवसेना (यूबीटी) कम सीटों पर लड़ने को राजी होगी या फिर शुरू हुई तकरार और बढ़ेगी। निरुपम का ताजा बयान संजय राउत के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने राज्य की 48 लोकसभा में से 23 पर लड़ने का दावा किया था। शिवसेना (यूबीटी) नेताओं ने दिल्ली में सोनिया गांधी, राहुल गांधी के अलावा केसी वेणुगोपाल और खरगे से मुलाकात भी थी। तब राउत ने कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) की पार्टी की सीटों को संख्या को लेकर कुछ नहीं कहा था। अब कांग्रेस के नेता संजय निरुपम में यह कहकर कि ये तो बहुत ज्यादा है, नया विवाद खड़ा कर दिया है। ऐसे में सवाल यह है कि महाराष्ट्र में एमवीए (महाविकास आघाड़ी) के बीच सीटों पर समझौता कैसे होगा? कांग्रेस नेता संजय निरुपम के सुर में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने अपना सुर मिलाया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की उम्मीद है कि उसे ज्यादा से ज्यादा सीटें मिले। अगर ऐसा हुआ तो सीटें 48 से ऊपर चली जाएंगी। इतना तो चाहते हुए भी संभव नहीं हो सकता है। चव्हाण ने कहा कि जितना हो सकता है उस पर ध्यान देना चाहिए। जहां जिसकी संभावना है उस पर सभी को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द यह हो जाए ताकि हर पार्टी को अपने आगे के काम के लिए समय मिल सके। उन्होंने कहा कि गठबंधन में प्रकाश अंबेडकर को साथ लेने की भी हमारी कोशिश है। उम्मीद है वो भी इस पर जवाब देंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कुश्ती खेल को हो रहा भारी नुकसान, कैसे होगी भरपाई

साल की शुरुआत में शुरू हुआ कुश्ती संघ को विवाद साल के अंत आते-आते भी सुलझ नही पाया। महिला पहलवानों द्वारा तत्कालीन कुश्ती संघ के खिलाफ यौन शोषण के खिलाफ चलाया गया अभियान सत्ता की धमक की वजह से पूरा न हो सका। हालांकि मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। इस बीच पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण ने नई कार्यकारिणी के चुनाव के बाद कह दिया कि उन्हें कुश्ती से कोई लेना देना नहीं। उधर चुनाव के बाद भी कुश्ती की समस्याएं जस की तस है। पीड़ित पहलवान अपने पदे लौटा रहें है। सरकार ने नई कार्यकारिणी फिर भंग कर दी है। अब एक तीन सदस्यीय एडहाक कमेटी सारे काम देखेगी। इन सबके बीच यही चर्चा होरही है इन सब विवादों से कुश्ती को नुकसान हो रहा है। इसकर प्रभाव खिलाड़ियों पर पड़ रहा है। आने वाले समय में अगर गंभीरता से इन विवादों का पटाक्षेप नही किया गया तो कुश्ती कहीं भारत से खत्म ही न हो जाए।

पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी।भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। विवाद अपनी जगह पर इसमें कोई संदेह नहीं है कि अपने हक की लड़ाई में जुटे पहलवानों ने अपने खेल से देश का नाम रोधन किया था। अब देशवासियों का भी फर्ज है कि वे इनके साथ खड़े हों और इनका साथ दें।

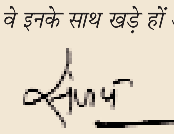

"पीड़ित पहलवान अपने पदे लौटा रहें है। सरकार ने नई कार्यकारिणी फिर भंग कर दी है। अब एक तीन सदस्यीय एडहाक कमेटी सारे काम देखेगी। इन सबके बीच यही चर्चा होरही है इन सब विवादों से कुश्ती को नुकसान हो रहा है। इसकर प्रभाव खिलाड़ियों पर पड़ रहा है। आने वाले समय में अगर गंभीरता से इन विवादों का पटाक्षेप नही किया गया तो कुश्ती कहीं भारत से खत्म ही न हो जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दंड के बजाय न्याय यकीनी बनाने को बदलाव

प्रमोद भार्गव

अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे औपनिवेशिक कानूनों से आखिरकार जनता को मुक्ति मिल गई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुलामी के प्रतीक माने जाने वाले तीन प्रमुख कानूनों में आमूल-चूल बदलाव के विधेयक लोकसभा एवं राज्यसभा से पारित करा लिए। इनमें परिवर्तन की प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी, क्योंकि फिरंगी हुकूमत के समय वजूद में आये ये कानून स्वतंत्रता सेनानियों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए गए थे। जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सरोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। शाह ने इन विधेयकों पर संसद में चर्चा करते कहा कि इन कानूनों के लागू होने के बाद दुनिया में सर्वाधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी है। उन्होंने अंग्रेजों के और अब के कानून में फर्क बताते हुए कहा कि अंग्रेजों के जमानों में बने कानून का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की रक्षा करना था। इसलिए इसमें दंड को मूल में रखा गया था, किंतु अब न्याय पर जोर होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को लाल किले से दिए संबोधन में पांच प्रण किए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। इन नए कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। ये नए कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नए कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है। कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। जैसे धोखाधड़ी 420 धारा के अंतर्गत थी, इसे अब धारा 316 के रूप में जाना जाएगा। बलात्कार की धारा 376 को 63 में बदला जाएगा। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूल-चूल परिवर्तन किए गए हैं।

साल 1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। कुल

313 धाराएं बदली गई हैं। इनमें चार धाराएं सबसे ज्यादा असरकारी साबित होंगी। एक, राजद्रोह कानून से 'राजद्रोह' शब्द विलोपित कर दिया जाएगा। नए प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। दो, मॉब लिंचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथ निरपेक्ष रखा गया है। क्योंकि कभी-कभी चोर को भी भीड़ मार देती है। कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर समूह मार देता है। इन हत्याओं पर अब मॉब लिंचिंग कानून लागू होगा। तीन, नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपाकर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा। मौजूदा स्थिति में नाबालिग से दुष्कर्म पर न्यूनतम सजा में सात साल की व्यवस्था है। इसी तरह राज्यों को अब असली पहचान छिपाकर संबंध बनाने वाले अपराधियों के लिए 'लव जिहाद' जैसा पृथक कानून बनाने की जरूरत नहीं। प्रस्तावित कानून में गलत पहचान बताकर नौकरी, पदोन्नति और अन्य प्रलोभन दिलाने के झूठे वादे कर दुष्कर्म के अंजाम को सजा के दायरे में लाया गया है। चौथा, छोटे-मोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का क्रांतिकारी प्रावधान किया गया है। सबसे बड़ा परिवर्तन 1860 में अस्तित्व में आए औपनिवेशिक कानून 'राजद्रोह' में किया गया है। इसके औचित्य पर लगातार संसद में व बाहर भी सवाल उठते रहे हैं। संप्रग सरकार के दौरान 2012 में राज्यसभा में प्रस्तुत निजी विधेयक में सांसद डी राजा ने कहा था कि 'स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के दमन और उन पर अत्याचार के लिए फिरंगी हुकूमत ने 1860 में देशद्रोह का कानून बनाया था। इसे और कठोर 1870 में धारा 124-ए को दण्ड प्रक्रिया संहिता में शामिल कर लिया गया था, लिहाजा इस कानून में अब बदलाव की जरूरत है।' लेकिन इस निजी विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। हालांकि सरकार ने तब संसद में यह भी स्पष्ट किया था कि समुचित दायरे में रहकर सरकार की आलोचना करने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन जब आपत्तिजनक तरीकों का सहारा लिया जाए, तब यह धारा प्रभावी हो सकती है।' तब बहस में भाजपा समेत कई दलों के सांसदों ने सरकार के इस रुख का समर्थन किया था।

लोकतंत्र के मंदिर में पुन: स्थापित हो संसदीय गरिमा

राजेश रामचंद्रन

सांसदों के बिना संसद गोमाता विहीन गोशाला सरीखी है या बिन मूर्ति के मंदिर समान! इससे पहले कि मेरे इन शब्दों को माननीय सदस्यों या पूजनीय गोमाता की बेइज्जती करने की धृष्टता मानकर भीड़ मेरी मॉब लिंचिंग पर उतारू हो, कृपया नोट करें कि मैंने सांसदों का जिक्र नहीं किया। मूर्ति यहां संसदीय विमर्श है तो मंत्र है, आपसी बहस ताकि वाद-विवाद से विचारों का आदान-प्रदान हो। संसद की उपमा को मंदिर के रूप में आगे बढ़ाते हुए, वास्तव में लोकतंत्र की इस देवी की आराधना मुख्य पुजारी बिना नहीं हो सकती और यह भूमिका होती है विपक्ष की। तो, संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की समाप्ति मुख्य पुजारी की बाहर बैठकर धूप सेंकने, अध्यक्षता करते माननीय अर्थात राज्य सभा अध्यक्ष, जो कि देश के उप-राष्ट्रपति भी हैं, की नकल करने से हुई। जब आप धूप सेंक रहे हों एवं करने को कुछ और न हो, और मोबाइल फोन पास हो, तो सेल्फी लेने या एक-दूजे की चुहलबाजी और अभिनय की रिकॉर्डिंग के अलावा और क्या काम।

तथापि, एकल-पार्टी-आधिपत्य वाली सरकार के मानकों के मुताबिक भी, 146 विपक्षी सांसदों की बर्खास्तगी संसदीय बहस की रिवायत को बहुत बड़ा आघात है। यदि संसद का मतलब केवल सरकारी कामकाज चलाना और नए कानून पारित करने के पहले विपक्षियों को निकाल बाहर करना ताकि पीछे बचें, बेंच बजाकर समर्थन करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्य, तो क्या यह मंजर हमारे लोकतंत्र के लिए सही है? फिर किस मुंह से विदेशी प्रेस और विदेशी धन प्राप्त टिप्पणीकारों को दोष दे सकते हैं, जब वे 'मेड इन इंडिया पार्लियामेंट 2.0' को एक ढकोसला करार देते हैं? विपक्ष के कटाक्ष और टोटा-टाकी, शब्द-वाण, वॉक-आउट और कार्रवाई स्थगन, यह सब कानून बनाने की प्रक्रिया को वैधता प्रदान करते हैं।

जब कभी कोई कानून तीखी बहसों, एतराजों के बाद अंततः पारित होता है, तो उससे देश की वैधानिक गांभीर्य जुड़ जाता है। बेशक कानून बनाने वाली संसद अब नए भवन में है, लेकिन कानून-निर्माण की नई प्रक्रिया को अधिक दक्ष बनाने और वर्तमान चलन के नाम पर इसकी लोकतांत्रिक भावना की भव्यता नहीं छीन सकती, जो कि इसकी काबिलियत है। वैसे भी हमने देख लिया कि कैसे नए भवन की सुरक्षा व्यवस्था, एक घुसपैठिए को जूते के तले में स्मोक-कैनिस्टर छिपाकर लाने और फिर दर्शकदीर्घा से सदन में छलांग लगाने से रोकने में अक्षम सिद्ध हुई है। यह हमारे लोकतंत्र के गर्भ-गृह पर हमला था। यह लेखक 13 दिसम्बर, 2001 के दिन संसद भवन में मौजूद था, जब आतंकी हमला हुआ। भीषण मुठभेड़ में सभी हमलावरों को मार गिराने के बाद, जिसमें हमारे आठ वीर जवान और एक आम नागरिक शहीद हुए, तत्कालीन गृह मंत्री एलके आडवाणी और कानून मंत्री अरुण जेतली ने स्थिति का जायजा लेने के लिए परिसर का चक्कर लगाया था और तब सुरक्षा में सेंध को लेकर उनसे की गई जवाबतलबी याद आ रही है। इस पर आडवाणी ने 18 दिसम्बर, 2001 को लोकसभा में वक्तव्य दिया था आडवाणी ने अपने बयान में भारतीय संसद पर हमले का इल्जाम देश के भितरघातियों और पाकिस्तान बैठे योजनाकारों पर लगाया। इस बार भी, विपक्ष ने उसी प्रकार बयान की मांग की थी। बेशक यहां पर दोनों हमलों के बीच सीधी तुलना नहीं हो सकती क्योंकि जहां एक में संसद परिसर के अंदर पांच आतंकी मारे गए थे वहीं दूसरे प्रसंग में घुसपैठिए ने केवल स्मोक कैनिस्टर का उपयोग किया है।

यदि इसे पुनरावृत्ति ही कहा जाए तो इतिहास प्रतीक-प्रहसन के रूप में दोहराया गया। लेकिन फिर यह भी हो सकता है कि स्मोक कैनिस्टर में मारक गैस होती, जिससे देश के शीर्षस्थ नेतृत्व की सुरक्षा को एकमुश्त गंभीर खतरा बन सकता था। यह सोचना भयावह है लेकिन सरकार द्वारा इस विषय पर विश्वास स्थापना विमर्श करवाए बिना, इस कयास को खारिज नहीं किया जा सकता। विपक्ष द्वारा सुरक्षा चूक पर विस्तृत जानकारी और संभावित सुधारक उपायों पर चर्चा की मांग करना जायज है। संसद उनकी भी उतनी ही है। इसकी बजाय, उन सांसदों को एक के बाद एक कर निलंबित कर दिया गया।

यहीं पर राज-व्यवस्था में आया आमूल परिवर्तन साफ दिखाई देता है। पूर्व में संसदीय प्रक्रिया चलाने को सही मायने में चलाने और दिशा देने में विपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहा है। एक अखबार में किया गया रहस्योद्घाटन विपक्ष के लिए संसद में स्थगन के लिए दबाव बनाने में काफी होता है। किसी पत्रकार के लिए उसके काम की इससे बढ़कर कोई मान्यता नहीं हो सकती कि उसकी लिखी खबर के परिणामवश सदन में बहस के बाद कामकाज स्थगित करना पड़े। इस लेख का लेखक तीन मौकों पर अपनी रहस्योद्घाटन खबरों से संसदीय कामकाज स्थगित होने को अपना सबसे बड़ा सम्मान पदक मानता है, यह किसी भी पत्रकारिता सम्मान से कहीं बढ़कर है। जब पूरा विपक्ष एकजुट होकर, किसी अखबार की प्रति हाथ में लेकर, सदन में खड़ा होकर नारेबाजी करने लगे, और लाचार होकर अध्यक्ष सदन स्थगित कर दे, तो यह घटना पुन: अगले दिन की मुख्य सुर्खियां बनती है। जितना अधिक विपक्ष का दबाव होगा, उतना ही अधिक सत्तापक्ष को समझौताकारी होना पड़ेगा, जो कि संयुक्त संसदीय जांच कमेटी बनाने पर राजी होने जितना बड़ा हो सकता है। चाहे तो विपक्ष के इन पैंतरों को संसदीय मोल-भाव कहिए या ब्लैकमेल। किसी सरकार को अपना विधायी कामकाज चलाना है, तो विपक्ष की मांगों पर ध्यान देना पड़ेगा।

मुंबई

नाइट लाइफ को एंजॉय करने के लिए आप मुंबई जा सकते हैं। यहां पब तो आप जा ही सकते हैं, लेकिन साथ ही आप यहां पर मरीन-ड्राइव, चौपाटी बीच, नरीमन प्वाइंट और फोर्ट रोड और ड्राइविंग, डांस, ड्रिंकिंग, समुद्र तटों की सैर, सड़क किनारे स्थित ढाबों व रेस्टोरेंट्स में स्वादिष्ट खानों का स्वाद ले सकते हैं। यहां की भागती-दौड़ती ज़िंदगी जब शाम ढलते ही ठहरती है, तो महफिल सज जाती है और युवा वर्ग मस्ती और घूमने की फिराक में निकल आते हैं। मुंबई की नाइट लाइफ जैसी मस्ती कहीं नहीं, तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

नाइट लाइफ

दोस्तों संग यहां लें मजा

शायद ही कोई ऐसा हो जिसे घूमना पसंद न हो। दरअसल, लोग नई-नई जगहों पर जाते हैं, वहां के नए खाने का स्वाद लेते हैं और साथ ही प्रसिद्ध जगहों पर घूमते हैं और इन यादों को तस्वीरों और वीडियो में हमेशा के लिए कैद कर लेते हैं। ऐसे में कोई अपने दोस्तों संग, कोई अपने पार्टनर संग, तो कोई अपने परिवार के साथ घूमने जाता है। पर अगर बात युवाओं की करें, तो ट्रिप पर जाने के अलावा शहरों की नाइट लाइफ भी इन्हें अपनी ओर आकर्षित करती है। ऐसे में ये लोग ऐसी जगहों की तलाश में रहते हैं, जहां की नाइट लाइफ बेहद शानदार हो। इसलिए अगर आप भी नाइट लाइफ को एंजॉय करना चाहते हैं, तो भारत की इन जगहों पर जाएं जहां की नाइट लाइफ काफी प्रसिद्ध है।

जयपुर

जहां एक तरफ जयपुर किलों के लिए जाना जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान की राजधानी जयपुर अपनी नाइट लाइफ के लिए भी जानी जाती है। यहां के मिडनाइट बाजार नाइट लाइफ की रौनक बढ़ाते हैं। आप अपने दोस्तों संग यहां का प्लान कर सकते हैं।

बैंगलोर

बैंगलोर का नाम आते ही सबसे पहले दिमाग में आईटी सेक्टर आता है, पर ऐसा नहीं है यह शहर आईटी हब के साथ-साथ अपनी नाइट लाइफ के लिए भी जाना जाता है। शहर में बहुत सी ऐसी जगह हैं जहां आप बेस्ट नाइट एक्सपीरियंस कर सकते हैं। अगर आप युवा हैं और अपने दोस्तों संग नाइट लाइफ में खूब मस्ती करना चाहते हैं, तो फिर आप बैंगलोर जा सकते हैं। इस सिलकॉन वैली सिटी को पब कैपिटल ऑफ इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। यहां के एमजी रोड की नाइट लाइफ देखते ही बनती है। यहां कई ऐसी लोकेशन हैं, जहां की नाइट लाइफ कुछ अलग ही बयां करती है और उसका नज़ारा एकदम नायाब होता है।

गोवा

भला बात नाइट लाइफ की हो और गोवा इसमें कैसे पीछे रह सकता है। गोवा तो हर कोई जाना चाहता है, लेकिन आप ये भी जानते चलें कि गोवा अपने बीचों के अलावा अपनी नाइट लाइफ के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। यहां आप अंजुना बीच समेत अन्य बीच पर नाइट लाइफ को एंजॉय कर सकते हैं। गोवा में कई सारे रेस्टोरेंट देर रात तक खुलते हैं जहां आप अकेले या अपने साथी के साथ घंटों बैठ सकते हैं। रात के समय आप गोवा में जी भरकर कोल्ड्रिंक या बियर जैसी चीजें एन्जॉय कर सकते हैं। कई बार गर्ल्स अपनी महिला साथी के साथ ही गोवा आती हैं तो उनके लिए भी गोवा की नाईट लाइफ काफी सुरक्षित है।

हंसना मना है

लड़का- कल से हम कहीं और मिलंगे
लड़की - क्यूं? लड़का - बड़े कमीने है तेरी गली के बच्चे, लड़की - क्या हुआ? लड़का - कुत्ते पीछे लगाकर कहते है, जब प्यार किया तो डरना क्या!

एक मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी - नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

पूरी शराब की बोतल ही गटक ली आज उसने। बीवी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था आज 'PK' दिखा दो।

सरदारजी आपको लोगो ने क्यों मारा? सरदार- यार मेरी फोटो बस में गिर गयी, तो मैने मैडम से कहा जरा साड़ी उपर करो फोटो लेना है।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफ़सोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

कहानी | लाल मोर

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय को पशु-पक्षियों के साथ-साथ अद्भुत और अनोखी चीजों का भी बहुत शौक था। इसलिए मंत्रियों से लेकर दरबारी अनोखी चीजों को देकर न सिर्फ महाराज को खुश करना चाहते थे, बल्कि उनसे उपहार और पैसे ऐंठना भी उनका मकसद था। एक बार महाराज का एक दरबारी उनको खुश करने के लिए एक अनोखा लाल रंग का मोर रंगाई करने वाले से रंगवा कर लेकर आया। वह दरबारी उसे सीधे महाराज के पास ले आया और बोला, 'महाराज मैंने यह अनोखा मोर मध्य प्रदेश के घने जंगलों से मंगवाया है।' महाराज ने भी उस मोर को देखा और वो आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने बोला कि लाल मोर, यह तो सच में बहुत अद्भुत है और यह शायद ही कहीं मिल पाएगा। अच्छा, अब यह बताओ कि इसे मंगाने में तुम्हारे कितने पैसे खर्च हुए?' दरबारी अपनी बढ़ाई सुनकर काफी खुश हुआ और बोला कि महाराज आपके लिए यह अनोखा मोर ढूंढने के लिए मैंने अपने दो सेवकों को लगाया था। वो दोनों पूरे देश की यात्रा पर निकले हुए थे। कई सालों तक इस अद्भुत चीज को ढूंढते रहे। सालों की खोज के बाद अब जाकर इन्हें यह लाल रंग का मोर मिला है। इन सब में मेरे करीब 25 हजार रुपये खर्च हुए हैं।' यह सुनने के बाद राजा ने तुरंत कहा कि दरबारी को 25 हजार रुपये दे दिए जाएं।' राजा ने यह भी कहा कि इसके अलावा, एक हफ्ते बाद आपको पुरस्कार भी दिया जाएगा।' दरबारी खुश हो गया और तेनाली की तरफ देखकर मुस्कुराने लगा। तेनाली यह जानता था कि लाल रंग का मोर कहीं भी नहीं पाया जाता है। उसके अगले ही दिन तेनाली ने उस रंगाई करने वाले व्यक्ति को ढूंढ निकाला, जिसने मोर को लाल रंग से रंगा था। तेनाली उसके पास चार और मोर लेकर गया और उसे रंगवाकर दरबार में ले आया। उसने दरबार में कहा कि महाराज, हमारे दरबारी दोस्त पच्चीस हजार में बस एक ही मोर लेकर आए थे, लेकिन मैं पचास हजार में उससे भी सुंदर चार मोर लेकर आया हूं।' राजा उन मोर को देखकर आकर्षित हो गए, क्योंकि वो मोर सच में काफी सुंदर और सुर्ख लाल थे। इसके बाद राजा ने तेनाली को पच्चास हजार रूपये देने का आदेश दिया। यह सुनते ही तेनाली ने दरबार में बैठे एक आदमी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इस इनाम का हकदार मैं नहीं बल्कि यह कलाकार है। इसी कलाकार ने नीले मोर को लाल रंग में बदला है। यह सुनते ही महराज सबकुछ समझ गए कि दरबारी ने उन्हें ठगने की कोशिश की है। राजा ने तुरंत दरबारी को दिए गए पच्चीस हजार लौटाने का आदेश दिया और साथ ही पांच हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही उसने कलाकार को पुरस्कार भी दिया।

7 अंतर खोजें

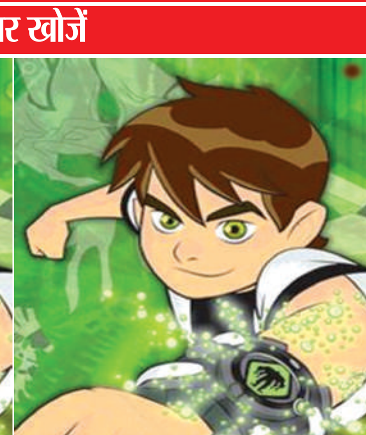

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। थकान व कमजोरी रहेगी। किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी।

तुला – लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृषभ – प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक – स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मिथुन – कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

धनु – व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

कर्क – यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

मकर – आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

सिंह – धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कुम्भ – मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा।

कन्या – बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

मीन – लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है।

बॉलीवुड मसाला

नीरज पांडे के साथ काम करने को उत्सुक हैं तापसी

हसीन दिलरुबा अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों काफी खुश नजर आ रही हैं। शाहरुख खान के साथ उनकी पहली फिल्म डंकी सुपरहिट हो गयी है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छा कारोबार कर रही है। फिल्म में उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए तापसी पन्नू ने अपनी एक ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह फिर से निर्देशक नीरज पांडे के साथ काम करना चाहेंगी। तापसी ने नीरज पांडे के साथ बेबी और नाम शबाना में काम किया है।

तापसी पन्नू ने कहा, मैं उनसे बार-बार मिलती रहती हूं और जब भी मिलती हूं तब कहती हूं, सर कुछ और करते हैं न। लोग क्या मैं खुद इंतजार कर रही हूं कि कब वह कोई फिल्म शुरू करें और मैं उस फिल्म का हिस्सा बन सकूं। मैं कितनी बार बोल चुकी हूं मुझे काम दे दो सर। डंकी स्टार तापसी ने आगे कहा, शायद नीरज जी को लगता होगा कि मैं मजाक कर रही हूं लेकिन सच में मैं उनके साथ काम करना चाहती हूं। बेबी फिल्म में मेरा सिर्फ सात मिनट का रोल था। उन्होंने बेबी के बाद मुझे नाम शबाना में साइन किया। मैं बिलकुल नई थी और नीरज जी ने मुझे यह किरदार ऑफर किया था। मेरे लिए वह किसी सपने के सच हो जाने जैसा पल था। अपनी बात को समाप्त करते हुए तापसी कहती हैं, मुझे किसी डायरेक्टर से काम मांगने में झिझक नहीं होती है, लेकिन नीरज पांडे के साथ मेरी अलग केमिस्ट्री है। मैं बार-बार उनके सामने आती रहती हूं, ताकि वह मुझे भूल न जाएं। मेरा चेहरा उन्हें याद रहे। तापसी पन्नू की आने वाली फिल्मों में फिर आयी हसीन दिलरुबा और वो लड़की है कहां शामिल है।

मैं बार-बार नीरज पांडे सामने आती रहती हूं, ताकि वह मुझे भूल न जाएं। - तापसी पन्नू

स्टीरियोटाइप से बाहर निकलने की कोशिश में लगे हैं पंकज त्रिपाठी

एंटरटेनमेंट की इस दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले पंकज त्रिपाठी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। आज की तारीख में बड़े से बड़ा डायरेक्टर उनको अपनी फिल्मों में कास्ट करने के लिए बेताब रहता है। उन्होंने अपने हर किरदार से दर्शकों के दिल में अलग पहचान बनाई है। वहीं हाल ही में जी-5 पर उनकी फिल्म कड़क सिंह रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उनकी भागीदारी इस फिल्म में उन्हें हंसी-मजाक करने वाले किरदार से हटने की कोशिश को दर्शाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें अक्सर ऐसा ही किरदार मिलता है, जो हंसी-मजाक करता है। पंकज त्रिपाठी कहते हैं कि हां, दर्शक मुझसे हंसी-मजाक करने वाले में ही देखने की उम्मीद करते हैं। लेकिन अब कड़क सिंह जैसे रोल के साथ मैं इस स्टीरियोटाइप से बाहर निकलने का कोशिश कर रहा हूं। अब इसमें क्या मैं सफल रहा हूं या नहीं, यह दर्शकों के ऊपर है। अब जब फिल्म रिलीज हो चुकी है। कड़क सिंह के बारे में बता दें कि फिल्म में वो एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं जो सिर में चोट लग जाने के कारण वह अपनी ज्यादातर यादें भूल जाता है। उन्हे बस इतना याद होता है कि उसका एक बेटा है, जिसकी उम्र पांच साल है और उसकी पत्नी एक एक्सिडेंट के कारण इस दुनिया में नहीं है। इसके साथ ही, वह एक गंभीर आरोप से लड़ रहे हैं, जो चिट फंड स्कैम से जुड़ा है और समझ रहे हैं कि उन्होंने अपने बच्चों के साथ कैसे उलझनीय संबंध रखा था। ऐसे में अब उन्हें इस पहलू को ठीक करने की आवश्यकता है।

बॉलीवुड मन की बात

मुझसे सेट पर बात नहीं करते थे विजय : कटरीना

श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनीं फिल्म मैरी क्रिसमस इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का एक गाना रिलीज किया गया जिसे दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। अब फिल्म के लीड एक्टर ने विजय सेतुपति ने फिल्म से जुड़ा एक मजेदार किस्सा शेयर किया है। ये पहली बार है जब साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस कटरीना कैफ और साउथ सिनेमा के मंझे हुए कलाकार विजय सेतुपति की जोड़ी फैंस किसी फिल्म में देखने का मौका मिल रहा है। कैटरीना कैफ ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में बताया था कि विजय सेट पर उनसे ज्यादा बात नहीं करते थे। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगता था कि निर्देशक श्रीराम राघवन ने विजय को उनसे बात करने के लिए मना किया है। हालांकि, अब खुद विजय ने कटरीना कैफ से सेट पर ज्यादा बात न करने की वजह बताई है। साउथ स्टार ने कहा, नहीं, नहीं, ऐसा नहीं था कि उन्होंने मुझे मना किया था। मुझे आपसे डर लगता था, इसलिए मैं नहीं बोलता था। मैं इस इंडस्ट्री में नया हूं, ये फुल अनुभवी हैं। आप यहां की बड़ी स्टार हैं। इसके बाद कटरीना ने यह भी कहा कि वरुण धवन ने उन्हें बताया, मुझे बाद में पता चला कि श्रीराम सर ने लोगों से कहा था कि उन्हें सेट पर मुझसे ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए। ये बात मुझे वरुण धवन ने बताई। वरुण पूछ रहे थे कि श्रीराम सर के साथ काम करना कैसा है। मैंने कहा, वह शानदार हैं, उनकी दुनिया शानदार है लेकिन सेट पर कोई भी मुझसे ज्यादा बात नहीं करता। मैं खुद से सवाल कर रही थी। फिर वरुण ने मुझसे कहा, चिंता मत करो, उन्होंने सभी से कहा है कि तुमसे बात न करें। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। कटरीना की बात सुनने के बाद श्रीराम ने तुरंत कहा-मुझे ऐसा नहीं लगता है। विजय ने आगे कहा- नहीं-नहीं ऐसा नहीं था। मैं आपसे डरता हूं, इसलिए आपसे बात नहीं करता था। मैं इस इंडस्ट्री में नया हूं और और आपको बहुत अनुभव है और आप बड़ी स्टार हो। मैरी क्रिसमस की बात करें तो फिल्म में विजय और कटरीना के साथ संजय कपूर, विनय पाठक, राधिका आप्टे समेत कई कलाकार नजर आने वाले हैं।

इस देश में चलता है बिल्लियों का राज इंसानों से ज्यादा है इनकी संख्या

दुनिया के नक्शे पर सैकड़ों की संख्या में देश मौजूद हैं और उनकी अपनी-अपनी अलग खूबियां हैं। कहीं सुंदर कुदरती नज़ारे हैं तो कहीं दिल खुश कर देने वाली लोक संस्कृतियां। हालांकि पूर्वी भूमध्यसागर में एक ऐसा देश है, जो इंसानों की वजह से नहीं बल्कि बिल्लियों की वजह से मशहूर है। हम बात कर रहे हैं लेबनान से थोड़ी दूरी पर मौजूद देश साइप्रस की। साइप्रस के बारे में आपने काफी कुछ सुना होगा। इसे दुनिया के कुछ सबसे ज्यादा घनी आबादी वाले देशों में गिना जाता है। आज हम आपको इससे जुड़ा दिलचस्प फैक्ट ये भी बताते हैं कि इस सुंदर देश में इंसानों से ज्यादा संख्या बिल्लियों की है। देश के किसी भी संस्थान या पब्लिक प्लेस पर आपको आराम फरमाती हुई बिल्लियां दिखाई दे सकती हैं। आप ब्राज़ील में मौजूद Ilha da Queimada Grande नाम के द्वीप को सांपों का द्वीप कहा जाता है, तो साइप्रस को बिल्लियों का देश कहा जा सकता है। साइप्रस के नागरिकों की कुल जनसंख्या 12 लाख से कुछ ज्यादा बताई जाती है, लेकिन यहां रहने वाली बिल्लियों की गणना 15 लाख के आस-पास बैठती है। यानि इंसानों से 1-2 लाख ज्यादा ही बिल्लियां इस जगह पर रहती हैं। यही वजह है कि स्विमिंग पूल, बार, होटल या स्कूल-कॉलेज के बाहर बिल्लियां अपने लिए ट्रीट का इंतजार करती दिख जाती हैं। मजे की बात तो ये है कि बिल्लियों के रहने से यहां के लोगों को कोई दिक्कत नहीं है। इस सवाल के जवाब के लिए ज़रा इतिहास में झांकना पड़ेगा। कहते हैं रोम की रानी संट हेलेना इजिप्ट से आते हुए अपने साथ सैकड़ों बिल्लियां भी साइप्रस लाई थीं। वे चाहती थीं कि उनके राज्य से सांप भाग जाएं, इसलिए वो इन्हें यहां बसाना चाहती थीं। वहीं एक मान्यता ये भी है कि प्राचीन मिस्र की क्लियोपेट्रा इन्हें लेकर आई थीं। पुरातत्व की ओर से बताया गया कि 7500 ईसा पूर्व में मिली एक कब्र में इंसान के साथ एक बिल्ली को भी दफनाया गया था। इससे पता चलता है कि बिल्लियों को पालने की परंपरा यहां पुरानी है। फिलहाल तो बिल्लियों के लिए साइप्रस स्वर्ग बन चुका है।

अजब-गजब

इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे डरपोक तानाशाह !

वह तानाशाह जिसने हमले के डर से अपने ही देश को बंकर में बदल डाला था

तानाशाहों का जिक्र होते ही दिमाग में एक ऐसे शख्स की छवि उभरकर आती है, जो काफी ताकतवर हो। अपनी शक्ति के दम पर ही उसने हुकूमत पर कब्जा कर लिया हो और शासन कर रहा हो। आज बात एक ऐसे तानाशाह की, जिसे आप दुनिया का सबसे डरपोक तानाशाह कह सकते हैं। शीतयुद्ध के दौरान वह इतना डर गया था कि उसने अपने ही देश को बंकर में बदल डाला। इतने बंकर बनवा दिए, जितने कई देशों को मिलाकर भी नहीं होंगे।

हम बात कर रहे यूरोपीय देश अल्बानिया के तानाशाह एनवर होक्सहा की। बंकर की बात हो तो आपको यह ज्यादातर सरहदों पर नजर आएंगे, लेकिन एनवर होक्सहा ने पूरे मुल्क को बंकरों में बदल दिया। आप अल्बानिया तट से चाहें किसी भी ओर से देश में घुसें, आपको चारों ओर कदम-कदम पर बंकर बने हुए दिखेंगे। पहाड़ियों से लेकर खेतों तक, हाइवे से लेकर समुद्र तट तक, चारों ओर आपको ये नजर आ जाएंगे। दीवारों के ऊपर गोलाकार ताज सा रखा

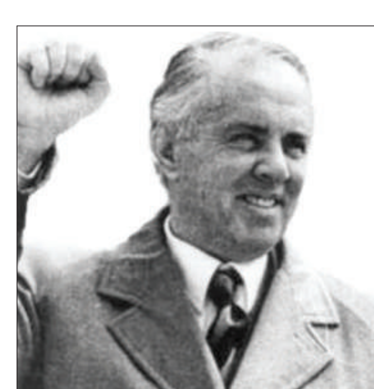

हुआ। बंकर 8 मीटर से भी ज्यादा चौड़े थे और युद्ध की सूरत में ये कमांड पोस्ट का काम करने वाले थे।

दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अल्बानिया पर पहले इटली और फिर जर्मनी ने कब्जा कर लिया था। जब ये आजाद हुआ तो इसकी कमान कम्युनिष्ट शासक एनवर होक्सहा ने संभाली। बदहाल हो चुके इस देश को होक्सहा तरक्की के रास्ते पर ले जाना चाहते थे। दूध का जला छांछ फूंक-फूंककर पीता है। ठीक इसी वक्त ऐसा माहौल बना कि होक्सहा को लगा पड़ोसी देश युगोस्लाविया और यूनान से लेकर अमरीका और सोवियत संघ तक, हर मुल्क उनके वतन पर हमला करने वाला है। वे इससे इतने डर गए कि हिफाजत के लिए पूरे देश में बंकर बनाने का आदेश दे दिया।

आप जानकर हैरान होंगे कि उनके शासनकाल में अल्बानिया में 14 साल तक सिर्फ बंकर बनते रहे। अनुमान के मुताबिक, पूरे अल्बानिया में करीब पौने 2 लाख बंकर बनवाए गए। तब उन्होंने एक नारा भी दिया थाजजिसका अर्थ था 'हमेशा तैयार रहो'। कहा जाता है कि तब एक बंकर बनवाने में 2 बेडरूम का मकान बनाने के बराबर खर्च आया। इससे पहले से बदहाल अर्थव्यवस्था और भी तबाह हो गई। होक्सहा ने जब सत्ता संभाली तो सबसे पहले उन्होंने अपने विरोधियों का खात्मा करवा दिया। उन्होंने हर नागरिक को सैन्य ट्रेनिंग दिलाई थी, ताकि हमला हो तो जवाब दिया जा सके।

महान विभूतियों को शिक्षा से तैयार करने वाले कटनी स्कूल ने पूरा किया शताब्दी वर्ष

» एसीसी हायर सेकेंडरी स्कूल की पुरानी विरासत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतीक : प्रीति अडानी

» स्कूल ने दिया है स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्रीय नेताओं और वैज्ञानिकों को जन्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटनी। मध्य प्रदेश के किमोर में स्थित एसीसी हायर सेकेंडरी स्कूल ने अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाई। यह कार्यक्रम स्कूल द्वारा एक सदी से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और 17,000 से अधिक छात्रों के जीवन को नया आकार देने का प्रतीक साबित हुआ। किमोर गांव में 1923 में सी.पी. पोर्टलैंड सीमेंट लिमिटेड द्वारा स्थापित यह स्कूल कई वर्षों की कड़ी मेहनत से विकसित हुआ है, जिसने मध्य प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य पर एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है।

एसीसी जिमखाना क्रिकेट मैदान में आयोजित शताब्दी समारोह में अडानी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अडानी भी उपस्थित रहीं। दिनभर चले कार्यक्रम में स्कूल की अब तक की यात्रा को प्रदर्शित करने वाली एक डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग भी की गई, जिसके बाद स्मृति चिन्ह का विमोचन और पूर्व छात्रों द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। डॉ. प्रीति अडानी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर स्कूल के कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों को बधाई देते हुए कहा, शिक्षा सामाजिक प्रगति की नींव है और एसीसी हायर सेकेंडरी स्कूल की सदियों पुरानी विरासत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रतीक है। मैं समर्पित शिक्षकों और पूर्व छात्रों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। अडानी फाउंडेशन इस अवसर का साक्षी बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हम स्कूल की समृद्ध विरासत में योगदान देने के लिए सदैव तत्पर हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नेतृत्व करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं।

अडानी फाउंडेशन भी दे रहा बढ़ावा

अडानी फाउंडेशन, अडानी समूह की सामुदायिक सहायता और भागीदारी शाखा, पूरे भारत में स्थायी परिणाम प्राप्त करने के लिए रणनीतिक सामाजिक निवेश करने के लिए समर्पित है। 1996 से, फाउंडेशन ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थायी आजीविका, कौशल विकास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे सहित मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर आधारित अपनी रणनीतियों के साथ, फाउंडेशन अपने अभिनव दृष्टिकोण और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जाना जाता है, जो अदानी समूह के व्यवसायों और उससे आगे के समुदायों की भलाई और धन में योगदान देता है। वर्तमान में, यह 19 राज्यों के 5 हजार 753 गांवों में संचालित होता है, जिससे 7.3 मिलियन लोगों का जीवन प्रभावित होता है।

दो कक्षाओं से शुरू हुआ था स्कूल

एसीसी हायर सेकेंडरी स्कूल की यात्रा 1923 में गौरी शंकर पांडे के नेतृत्व में केवल दो कक्षाओं के साथ शुरू हुई थी, जिन्होंने 1943 तक इसके पहले हेडमास्टर के रूप में कार्य किया। इसकी विरासत को अन्य कई नेताओं के नेतृत्व में वर्षों तक तैयार किया गया, जिनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण विस्तार देखने को मिले। 2010 में उच्च माध्यमिक छात्रों के लिए प्रयोगशालाओं, एक पुस्तकालय, चार कक्षाओं और शौचालयों सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण किया गया। राज्य की मेरिट सूची में स्कूल के छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाने का काम किया। 2017 में प्रिंसिपल की भूमिका संभालने वाले सुधांशु मिश्रा के नेतृत्व में स्कूल लगातार प्रगति कर रहा है।

10 साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में महेश भी रहे शामिल

स्कूल अपने प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को लेकर भी बेहद गौरवान्वित महसूस करता है, जिनमें सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता सेनानी महेश श्रीवास्तव भी शामिल हैं, जो 10 साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए थे। जबकि अन्य पूर्व छात्रों में सेवानिवृत्त सेना अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल तुकाराम यादव, भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा, चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे महान प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली मेघा भट्ट, वैज्ञानिक और शिक्षाविद डॉ. करुणा वर्मा, जो रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में डीन और एक्जीक्यूटिव काउंसलर के रूप में सेवानिवृत्त हुईं, कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व मुख्य भूविज्ञानी अनिल कुमार शुक्ला और पार्श्व गायिका नंदिता नागज्योति के नाम शामिल हैं।

नये साल में यूपी पुलिस को मिलेगा नया डीजीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नये साल में उत्तरप्रदेश को नया पुलिस महानिदेशक मिल जाएगा। राज्य के नए डीजी के नाम की घोषणा कर दी गई है। प्रशांत कुमार यूपी पुलिस के नये मुखिया होंगे। वह 1 जनवरी 2024 से पदभार ग्रहण करेंगे। यूपी के एसडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार के प्रमोशन का आदेश जारी हो गया है।

» प्रशांत कुमार को मिलेगी जिम्मेदारी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनके नाम के लिए सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है. प्रशांत कुमार 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। प्रशांत कुमार वर्तमान में यूपी पुलिस के एसडीजी कानून एवं व्यवस्था के पद पर कार्यरत हैं। उनका जन्म बिहार के सीवान में हुआ था। आईपीएस में शामिल होने से पहले प्रशांत कुमार ने एमबीए, एमएससी और एमफिल की डिग्री पूरी की थी। आईपीएस के लिए चुने जाने के बाद प्रशांत कुमार को तमिलनाडु कैडर मिला, लेकिन 1994 में वह यूपी कैडर में चले गए थे। प्रशांत कुमार को बहादुरी और उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें तीन बार पुलिस मेडल मिल चुका है। 2020 और 2021 में उन्हें वीरता पुरस्कार से नवाजा गया. प्रशांत कुमार को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) अंतरराज्यीय गैंगस्टर शिव शक्ति नायडू के एनकाउंटर के लिए प्रदान किया गया था. इस उपलब्धि के लिए उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी बधाई दी थी।

देश के सभी मंदिरों में हो वाल्मीकि समाज के पुजारी : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार देश के सभी मंदिरों में वाल्मीकि समाज के लोगों को पुजारी के पद पर बैठाना चाहिए।

सपा के वरिष्ठ नेता राम नगीना यादव की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शिरकत करने से पहले मौर्य ने कहा कि जिस तरह श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का नाम बदलकर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा किया गया है। उन्होंने अयोध्या में हवाई अड्डे का नाम बदले जाने पर खुशी जताई और कहा कि महर्षि वाल्मीकि के नाम से

नामकरण किया जाना स्वागत योग्य है। उन्होंने आगे कहा कि इस वक्त विपक्षी एकता का अभियान चल रहा है। लेकिन अभी बीएसपी के साथ गठबंधन में आने की दूर-दूर तक कोई चर्चा नहीं है। वैसे अगर सभी विपक्षी पार्टियां एक साथ आ जाएं तो यह अच्छी बात होगी। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर जी कहां हैं, वह अपना मूल्यांकन करें। वे समाजवादी पार्टी की चिंता न करें।

लालू यादव ने तोड़े नीतीश कुमार के सपने : शाहनवाज हुसैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ललन सिंह द्वारा जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ललन को पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया गया है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पूर्व जदयू प्रमुख ने अपने इस्तीफे की पेशकश नहीं की थी, बल्कि नीतीश कुमार के माध्यम से उन्हें हटा दिया गया।

शाहनवाज ने कहा, नीतीश कुमार ने पहले आरसीपी सिंह को अध्यक्ष बनाया, फिर ललन सिंह को और अब खुद जदयू के अध्यक्ष बन गए हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा, ललन सिंह और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उन्हें एक सपना दिखाया था। वह अधूरा रह गया। उन्हें आइएनडीआइए का संयोजक और प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने के लिए कहा गया था। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में हुई। बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ ललन सिंह भी शामिल हुए।

टेस्ट टीम में हुई आवेश की एंट्री

» दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का दूसरा मुकाबला तीन जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए बीसीसीआई ने टीम में बदलाव किया है। जहां बोर्ड ने तेज गेंदबाज आवेश खान को भारतीय टेस्ट टीम के साथ जोड़ा है। उन्हें मोहम्मद शमी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

भारत को सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका के हाथों हार झेलनी पड़ी है। वहीं दो टेस्ट मैचों सीरीज में मेजबान टीम 1-0 से आगे है। सेंचुरियन टेस्ट में भारत का प्रदर्शन लचर रहा जिस कारण मुकाबला तीन ही दिन में खत्म हो गया। भारत एक पारी और 32 रन से हार गया।

दक्षिण अफ्रीका टीम से बाहर हुए गेराल्ड कोएट्जी

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच केपटाउन में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी टीम से बाहर हो गए हैं। वे भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच 3 जनवरी से खेले जाने वाले मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। गेराल्ड टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के दिक्कत का सामना कर रहे थे। लिहाजा वे दूसरे मुकाबले तक फिट नहीं हो सकेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने इसकी लेकर जानकारी शेयर की है।

भाजपा की गोवा सरकार पर आप-कांग्रेस का जोरदार हमला

लगाया आरोप कहा, उत्सव के नाम पर हो रहा भगवान शिव का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सावंत सरकार से की कार्रवाई की मांग

पणजी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने पणजी में सनबर्न ईडीएम उत्सव के आयोजकों के खिलाफ भगवान शिव का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता विजय भिके ने मापुसा में सनबर्न के आयोजकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। आप गोवा प्रमुख अमित पालेकर ने कहा कि राज्य सरकार को उनके खिलाफ सनातन धर्म का अपमान करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

सनबर्न उत्सव एक बहुत ही प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक नृत्य संगीत उत्सव है, जो 28 दिसमबर को उत्तरी गोवा में शुरू हुआ था और 30 दिसंबर को इसका समापन होगा। पालेकर ने कहा, हमने देखा कि इस उत्सव में भगवान शिव की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है। जब लोग शराब पीकर नृत्य कर रहे थे, तब भगवान शिव की तस्वीर एलईडी स्क्रीन पर फ्लैश किया गया। उन्होंने कहा कि वह राज्य सरकार से इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ईडीएम उत्सव के दौरान जब शराब परोसी जा रही थी, तभी भगवान शिव की तस्वीर दिखाना सही नहीं था। हमने पुलिस महानिदेशक को यहां बुलाकर सनबर्न ईडीएम आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

कांग्रेस नेता विजय भिके ने मापुसा पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में कहा, आयोजकों ने यह बताकर कि भगवान शिव मदीरा सेवन का समर्थन करते है, जानबूझ कर हिंदूओं के भावनाओं को आहत किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कांग्रेस नेता ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है और वे फिलहाल इस मामले की जांच कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने दी अयोध्या को अरबों रुपये की सौगात

अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या धाम स्टेशन व महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की अयोध्या को नया लुक दिया जा रहा है। 22 जनवरी को होने वाली प्रभु रामलला के नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या का माहौल अलग ही बना दिया। करीब 15 किलोमीटर लंबा उनका रोड शो हुआ। इस दौरान भारी संख्या में जुटे लोगों ने जय श्रीराम और मोदी- मोदी के नारे लगाए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या पहुंचकर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम अमृत भारत ट्रेन में पहुंचे। स्लीपर और जनरल क्लास की इस ट्रेन को उन्होंने भीतर से देखा। इसमें सवार छात्रों और जनकपुरी से आए लोगों से बातचीत की। अमृत भारत ट्रेन दरभंगा से अयोध्या होते हुए आनंद विहार टर्मिनल के लिए चलेगी। देश में पहली बार अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ हो रहा है। यह हाई स्पीड ट्रेन होगी, जिसमें जन सामान्य के लोग यात्रा कर सकेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या स्टेशन पर हुए तमाम विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें विकास योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई नेता मौजूद रहे। रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत तमाम नेताओं की मौजूदगी रही।

जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन को ईडी ने भेजा 7वां नोटिस

एजेंसी ने उनसे मन मुताबिक जगह और समय बताने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। जमीन घोटाले के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें आखिरी नोटिस दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय एजेंसी ने सोरेन को मनमुताबिक जगह और समय बताने को कहा है, ताकि ईडी के अधिकारी जाकर उनसे पूछताछ कर सकें।

ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजे गए समन में कहा है कि जमीन घोटाले मामले में उनका बयान दर्ज करना बेहद जरूरी है, इसलिए ईडी उनकी मनमर्जी के

मुताबिक बयान रिकॉर्ड करने के लिए तैयार है, इस मामले में ईडी उन्हें छह बार पहले भी नोटिस जारी कर चुकी है। ईडी ने हेमंत को भेजे गए नोटिस में यह भी लिखा है कि इस पत्र को समन के रूप में ही देखा जाए, केंद्रीय एजेंसी ने कहा है कि मुख्यमंत्री सोरेन जमीन घोटाला मामले में अगले दो दिनों के भीतर अपना बयान रिकॉर्ड कराए, ईडी ने पत्र में यह भी लिखा है कि इस पत्र को समन के रूप में ही समझा जाए।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा में क्यों शामिल नहीं है अरुणाचल प्रदेश : महेश जेठमलानी

बीजेपी सांसद ने न्याय यात्रा पर उठाए 10 सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत न्याय यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। यात्रा के शुरू होने से पहले ही बीजेपी की तरफ से इस आक्रामक रुख अपनाया जा रहा है। राज्यसभा सांसद और सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने राहुल गांधी की भारत यात्रा को लेकर कई तीखे सवाल उठाए हैं। जेठमलानी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश से भी सवाल पूछे हैं।

बीजेपी नेता राहुल गांधी की आगामी भारत न्याय यात्रा के बदले हुए मार्ग, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश को शामिल न किए जाने पर चिंता जताई है। जेठमलानी ने 2008 में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने के कांग्रेस के निर्णय सहित विभिन्न मुद्दों पर रमेश से जवाब मांगा है। जेठमलानी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पर पिछले कई

साल से जयराम रमेश के अशुभ विचार पढ़ने को मिलते हैं। जेठमलानी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यूपीए सरकार में पर्यावरण मंत्री के रूप में, कांग्रेस नेता राज्य में सभी मौजूदा जल विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा करना चाहते थे और उन्हें रोकना चाहते थे। जेठमलानी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने जोर देकर कहा था कि भारत अपने दम पर बांध बनाने में सक्षम नहीं होगा। उसे राज्य में अपनी जल विद्युत परियोजनाओं में चीनी विशेषज्ञता को शामिल करना चाहिए।

इसके बाद जेठमलानी ने राहुल गांधी की आगामी पूर्व-से-पश्चिम भारत न्याय यात्रा की ओर इशारा करते हुए सवाल उठाया।

उत्तर प्रदेश में अभी और हाड़ कपाएगी ठंड

कई जिलों में छाया घना कोहरा हादसों में गईं कई जानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लगातार चौथे दिन भी धूप नहीं खिली। ठंड व गलन से भी जनजीवन बेहाल हुआ। शनिवार की सुबह की शुरुआत भी ठंड और गलन से हुई। लखनऊ, कानपुर समेत कई इलाकों में घने कोहरे के चलते दृश्यता शून्य तक गिर गई। इससे कई स्थानों पर हुए सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई।

करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं। कोहरे की मार यातायात पर इस कदर पड़ी है कि लखनऊ एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 7 उड़ाने निरस्त हुई हैं। यहां से गुजरने वाली लंबी दूरी की लगभग सभी ट्रेनें देरी से चलीं। सड़क मार्ग पर भी गाड़ियां रेंगती नजर आईं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा कि कोहरे की चादर व धूप न निकलने की वजह से शनिवार को दिन का तापमान

शुक्रवार जैसा ही रहेगा। सुबह पांच बजे तक लखनऊ व कानपुर में दृश्यता शून्य रही। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के कुछ इलाकों में अत्यधिक घना कोहरा तो कहीं कोल्ड डे को लेकर अलर्ट जारी किया है।

शीत लहर का अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर समेत 30 जिलों में शनिवार को घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, झांसी एवं आसपास इलाकों में शीत दिवस होने के आसार हैं।

नजीबाबाद की रात रही सबसे ठंडी

नजीबाबाद की रात सबसे ठंडी रही। यहां रात का पारा न्यूनतम 6 डिग्री तक लुढ़क गया। इसी तरह मेरठ में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री तो वहीं मुजफ्फर नगर में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक मुजफ्फर नगर में दिन का तापमान सबसे कम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चुर्क में अधिकतम तापमान 22.4 व नजीबाबाद में 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।